अनवारुल अह्दीस

हज़रत रसूल उल्लाह सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने आदेश किया-

नीयत की महत्व

भाषांतरः निश्चय कर्म व आमाल नीयतों पर आधारित हैं।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 01)

अल्लाह तआला दिलों को देखता है

भाषांतरः निश्चय अल्लाह तआला तुम्हारे शरीरों तथा तुम्हारी सूरतों को नहीं देखता बल्कि वह तुम्हारे दिलों को देखता है।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 6707)

अरकाने-इसलाम

भाषांतरः इसलाम की बुनियाद पाँच चीज़ों पर खी गई हैः-
(1)- इस बात की गवाही देना के अल्लाह के सिवा कोई मअबूद नहीं एवं हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम अल्लाह के रसूल हैं।
(2)- नमाज़ पाबंदी से संपादन करना।
(3)- ज़कात देना।
(4)- हज्ज करना एवं
(5)- रमज़ान के रोज़े रखना।

(सहीह बुखारी, किताब उल ईमान, हदीस संख्याः 08)

इसलाम क्या है?

भाषांतरः इसलाम- ये है के तुम इस बात की गवाही दो के अल्लाह तआला के सिवा कोई इबादत के योग्य नहीं एवं हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम के रसूल हैं, नमाज़ पाबंदी से संपादन करो, ज़कात दो, रमज़ान के रोज़े रखो तथा अल्लाह तआला के घर का हज्ज करो यदि तुम्हें वहाँ तक पहुँचने की क्षमता हो।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 102)

ईमान क्या है?

भाषांतरः "ईमान"- ये है के तुम अल्लाह तआला पर, उस के फरिश्तों, उस के रसूलों, उस की किताबों पर एवं क़ियामत के दिन पर ईमान लाओ, एवं भाग्य पर विश्वास रखो के प्रत्येक भलाई एवं बुराई सारी चीज़ें अल्लाह तआला के निर्णय व फैसले से है।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 102)

इहसान क्या है?

भाषांतरः "इहसान"- ये है के तुम अल्लाह तआला की इस प्रकार इबादत करो जैसे तुम उसे देख रहे हो, यदि तुम उसे ना देख सको तब भी ये विश्वास रखो के वह प्रत्येक स्थिति में तुम्हें देख रहा है।

(सहीह बुखारी, किताब उल ईमान, हदीस संख्याः 50)

मुहब्बते-रसूल सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम का दर्जा

भाषांतरः तुम में कोई व्यक्ति इस समय तक ईमान वाला नहीं हो सकता जब तक के मैं इस के नज़दीक इस के पिता, इसकी औलाद एवं सम्पूर्ण लोगों से अधिक, प्रिय ना हो जाओ।

(सहीह बुखारी, किताबु उल ईमान, हदीस संख्याः 15)

ज्ञान का महत्व

भाषांतरः ज्ञान का प्राप्त करना प्रत्येक मुसलमान पर फर्ज़ है।

(सुनन इब्न माजह, हदीस संख्याः 229)

पवित्र क़ुरान सीखने की उत्तमता

भाषांतरः तुम में सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति वह है जो खुद क़ुरान करीम सीखे एवं दुसरों को सिखाए।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 5027)

हदीस के ज्ञान की बरकत

भाषांतरः अल्लाह तआला खुश-हाल रखे उस व्यक्ति को जो हमारी कोई हदीस सुने एवं उसे दुसरों तक पहुँचा दे।

(सुनन इब्न माजह, हदीस संख्याः 238)

फ़िक़्ह के ज्ञान का स्तर

भाषांतरः अल्लाह तआला जिस व्यक्ति के साथ भलाई का उद्देश्य करता है उसे धर्म की समझ प्रदान करता है।

(सहीह बुखारी, किताब उल इल्म, हदीस संख्याः 71)

पवित्रता व शुद्धता (तहारत)

भाषांतरः बिना तहारत के कोई नमाज़ स्वीकार नहीं की जाती।

(सहीह मुसलिम, किताब उत तहारह, हदीस संख्याः 557)

तहारत- नमाज़ की महत्व शर्त

भाषांतरः नमाज़ की कुंजी पाकी (पवित्रता) है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 03)

पाँच नमाज़ों की फरज़ीयत

भाषांतरः दिन एवं रात में (प्रत्येक मुसलमान पुरुष व महिला पर) पाँच नमाज़ें फर्ज़ हैं।

(सहीह बुखी, किताब उल ईमान, हदीस संख्याः 46)

नमाज़ मोमिन का नूर

भाषांतरः नमाज़ मुसलमान का नूर है।

(सुनन इब्न माजह, हदीस संख्याः 4350)

बाजमात नमाज़ की प्रतिष्ठा

भाषांतरः बाजमात नमाज़ तन्हा नमाज़ पढ़ने से 27 दर्जे फ़ज़ीलत व उत्तमता रखती है।

(मुसनद इमाम अहमद, मुसनद अब्दुल्लाह बिन उमर, हदीस संख्याः 5456)

बाजमात नमाज़ का आदेश

भाषांतरः बाजमात नमाज़ संपादन करना तुम्हारे लिए अनिवार्य है।

(सुनन अबु दाऊद, किताब उस सलाह, हदीस संख्याः 547)

शुक्रवार (जुमा) के दिन की उत्तमता

भाषांतरः निश्चय तुम्हारे दिनों में सब से अधिक उत्तमता वाला दिन है।

(सुनन अबु दाऊद, किताब उस सलाह, हदीस संख्याः 1049)

दुआ का महत्व

भाषांतरः दुआ इबादत का मग़्ज़ है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 3698)

दुरूद शरीफ की विशिष्ठता

भाषांतरः जो व्यक्ति मुझ पर एक बार दुरूद पढ़ना है अल्लाह तआला इस के कारण से इस पर 10 बार रहमत प्रकट करता है एवं इस के बदले 10 नेकियाँ लिखता है।

(जामेअ तिरमिज़ी हदीस संख्याः 486)

रोज़े की प्रतिष्ठा

भाषांतरः रोज़ा- दोज़ख की आग से सुरक्षा का माध्यम है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 769)

सेहरी की बरकत

भाषांतरः सेहरी खाया करो! क्यों के सेहरी में बरकत है।

(सहीह बुखारी, किताब उस सौम, हदीस संख्याः 1923)

ज़कात का महत्व

भाषांतरः ज़कात संपादन कर के अपने धन व मालों को मज़बूत क़िलों में सुरक्षित कर लो।

(मुअजम कबीर तबरानी, हदीस संख्याः 10044)

सदखे की बरकत

भाषांतरः निश्चय सदखा एवं नेकी अल्लाह तआला के कोप व ग़ज़ब को ठण्डा करती है एवं बुरी मृत्यु को दफा करती है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 666)

हज्ज की प्रतिष्ठा

भाषांतरः जिस ने अल्लाह की संतुष्टि के लिए हज्ज किया एवं उस ने ना बेहयाई का कोई काम किया तथा ना फिस्ख व फुजूर का अपराधी हुआ वह हज्ज से उस दिन के प्रकार पापों से पवित्र व शुद्ध हो कर लौटेगा जिस दिन उस की माँ ने उसे जन्म दिया था।

(सहीह बुखारी, किताब उल हज्ज, हदीस संख्याः 1521)

पावन दरबार में उपस्थिति व हाज़िरी पर पुण्य

भाषांतरः जिस ने में पावन रौज़े की ज़ियारत की इस के लिए मेरी शफाअत अनिवार्य व वाजिब हो चुकी है।

(सुनन दारख्खुतनी, किताब उल हज्ज, हदीस संख्याः 2727)

नबी पाक सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम की प्रतिभा व सम्मान

भाषांतरः मैं क़ियामत के दिन भी सारी आदम की औलाद का सरदार रहुँगा, एवं मैं इस पर फक़्र नहीं करता, और मेरे हाथ में हम्द का झण्डा होगा एवं मैं इस पर फक़्र नहीं करता।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 3975)

हुज़ूर सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम का अधिकार

भाषांतरः निश्चय मैं तक़सीम करने वाला एवं खाज़िन हुँ तथा अल्लाह तआला प्रदान करता है।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 3114)

हज़रत अबु बक्र का पद

भाषांतरः अबु बक्र! तुम अल्लाह तआला की ओर से दोज़ख व नरक से आज़ाद हो। इसी कारण से आप को अतीख कहा जाता है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 4043)

हज़रत सिद्दीख अकबर के उत्तमगुण

भाषांतरः अबु बक्र (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) जन्नती हैं।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 4112)

हज़रत फारूख आज़म की उत्तमता

भाषांतरः निश्चय अल्लाह तआला ने उमर (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) की ज़बान एवं दिल पर सत्य को जारी कर दिया है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 4046)

हज़रत उसमान ग़नी की प्रतिष्ठा

भाषांतरः प्रत्येक नबी के लिए रफीख (मित्र) हैं एवं जन्नत में मेरे रफीख *उसमान* (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) हैं।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 4063)

हज़रत अली मुरतज़ा की विशिष्टता

भाषांतरः अली (रज़ियल्लाहु तआला अन्हु) के चेहरे को देखना इबादत है।

(हाकिम, हदीस संख्याः 4665)

www.Ziaislamic.com

माता-पिता का स्थान

जो कोई आज्ञाकारी लड़का अपने माता-पिता को मुहब्बत की निगाह से देखता है तो अल्लाह तआला प्रत्येक नज़र के बदले उसे स्वीकृत हज्जा का सवाब प्रदान करता है।

(शुअबुल इमान, हदीस संख्याः 7611)

औलाद कि परवरिश

भाषांतरः तुम अपनी औलाद को नमाज़ का आदेश दो! जबके इन की उम्र 7 वर्ष हो एवं इस में आलस्य पर उन्हों सज़ा व दण्ड दो! जबके उन की उम्र 10 वर्ष हो एवं उन के बिस्तरों को अलग कर दो।

(सुनन अबु दाऊद, किताब उस सलाह, हदीस संख्याः 495)

तीन बातों की शिक्षा

भाषांतरः अपनी औलाद को 3 बातों का अनुदेश दिया करो!
(1)- अपने नबी करीम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम की मुहब्बत।
(2)- आप के अहले-बैत किराम की मुहब्बत एवं
(3)- क़ुरान करीम की तिलावत।

(जामेअ उल अहादीस लिस सुयूती, हदीस संख्याः 961)

खाने-पीने के शिष्टाचार

भाषांतरः अल्लाह तआला का नाम ले कर अपने दाहिने हाथ से खाया करो।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 5376)

बायें हाथ से खाने की निषिद्ध

भाषांतरः बायें हाथ से ना खाया करो! क्यों के शैतान बायें हाथ से खाता है।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 5383)

पानी बैठ कर पीना चाहिए

भाषांतरः बैठ कर प्या करो।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 6452)

खाना खिलाने की उत्तमता

भाषांतरः तुम अल्लाह तआला की इबादत किया करो, लोगों को खाना खिलाओ एवं सलाम को सामान्य करो! सलामती के साथ जन्नत में प्रवेश हो जाओगे।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 1974)

मेहमान का आदर

भाषांतरः जो व्यक्ति अल्लाह तआला पर एवं क़ियामत के दिन पर ईमान रखता है उसे चाहिए के वे अपने मेहमान की इज्जत करे।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6018)

हलाल रिज़्ख की बरकत

भाषांतरः हमेशा सत्य कहने वाला अमानतदार व्यापारी, पैगम्बरों, सिद्दिखीन एवं शहीदों के साथ होगा।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 1252)

हराम रिज़्ख का पुरा परिणाम

भाषांतरः जिस का गोश्त हराम भोजन से परवरिश पाया हो वह नरक ही के अधिक योग्य है।

(शुअबुल इमान, हदीस संख्याः 5277)

स्वस्थ्य अल्लाह तआला की नेमत

भाषांतरः 2 नेअमतें ऐसी है जिस से अधिकतर लोग उपेक्षा व ग़फलत में हैं-
(1)- स्वस्थ्य।
(2)- फुरसत।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 6412)

शरीर का अधिकार अदा करने का आदेश

भाषांतरः निश्चय तुम्हारे ऊपर तुम्हारे शरीर का भी अधिकार है।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 1975)

स्वस्थ्य का फायदा

www.Ziaislamic.com

भाषांतरः ताकतवर मोमिन कमज़ोर मोमिन से श्रेष्ठतर है तथा अल्लाह के पास पसंदीदह है।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 6945)

शुक्रगुज़ारी व धन्यवाद का महत्व

भाषांतरः जो (एहसान करने वाले) लोगों का धन्यवाद व शुक्र अदा नहीं करता वह अल्लाह तआला शुक्रगुज़ार नहीं हो सकता।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 2082)

मोमिन अमन का पौकर होता है

भाषांतरः मोमिन वह है जिस से सम्पूर्ण मनुष्य जान व धन के बारे में बेख़ौफ़ व भय रहित रहें।

(जामेअ तिरमिज़ी, किताब उल ईमान, हदीस संख्याः 2836)

मुसलमान सलामती देने वाला होता है

भाषांतरः मुसलमान वह है जिस की ज़ुबान एवं हाथ से सारे मुसलमान सुरक्षित रहें।

(जामेअ तिरमिज़ी, किताब उल ईमान, हदीस संख्याः 2836)

मानवता की सेवा करने वाले का स्थान

भाषांतरः लोगों में सर्वश्रेष्ठ वह है जो मानवता को अधिक लाभ व फायदा पहुँचाने वाला हो।

(मुअजम औसत तबरानी, हदीस संख्याः 5949)

मुसलमानों का एक दूसरे से संबंध

भाषांतरः एक मुसलमान दूसरे मुसलमान के लिए इमारत की तरह है, जिस का एक भाग दुसरे भाग को मज़बूत करता है।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6026)

घर वालों के साथ कुशल व्यवहार

भाषांतरः तुम में सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति वह है जो अपने घर वालों के साथ अच्छा व्यवहार करे, एवं मैं अपने घर वालों के साथ सब से श्रेष्ठतर व्यवहार करने वाला हुँ।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 4269)

पत्नी के अधिकार का महत्व

भाषांतरः निश्चय तुम्हारी पत्नी का भी तुम पर अधिकार है।

(सहीह बुखारी, किताब उन निकाह, हदीस संख्याः 5199)

सिला रेहमी की बरकत

भाषांतरः जो व्यक्ति ये चाहे के इस के रिज़्ख में कुशादगी (समावेश व अधिकता) हो एवं इस की उम्र लंबी हो तो उसे चाहिए के वे अपने नातेदारों व रिश्तेदारों के साथ अच्छा व्यवहार करे।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 5986)

संबंध तोड़ने का वबाल

भाषांतरः नातेदारी व रिश्तेदारी को तोड़ने वाला जन्नत में प्रवेश नहीं होगा।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 5984)

संबंध तोड़ने की निषिद्ध

भाषांतरः किसी मुसलमान के लिए ये जायज़ नहीं के वे 3 दिन से अधिक अपने भाई से दूरी अपनाया करे।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6065)

पड़ोसी का स्थान

भाषांतरः वह व्यक्ति जन्नत में प्रवेश नहीं होगा जिस को तकलीफ देने से इस का पड़ोसी सुरक्षित ना हो।

(सहीह मुसलिम, किताब उल ईमान, हदीस संख्याः 181)

दुसरों की सहायता करने का पुण्य

भाषांतरः जो व्यक्ति अपने भाई की अवश्यकता पूरा करने में व्यस्त रहता है अल्लाह तआला उस की अवश्यकताओं को पूरा करता है।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 2442)

आपसी योगदान की बरकत

भाषांतरः अल्लाह तआला बन्दे की विशेष मदद करता रहता है जब तक के वे अपने भाई की सहायता में रहता है।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 7028)

उच्च शिष्टाचार सब से श्रेष्ठतर

भाषांतरः निश्चय तुम में सब से श्रेष्ठतर व्यक्ति वह है जो तुम में सब से अधिक उच्च शिष्टाचार हो।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6029)

हया व लज्जे का स्थान

भाषांतरः हया व लज्जा ईमान की एक विशाल विभाग व शाख है।

(सहीह बुखारी, किताब उल ईमान, हदीस संख्याः 09)

बेपरदगी व अश्लीलता का नुकसान

भाषांतरः महिला तो सर से पाँव तक सतर है, जब वह बाहर निकलती है तो शैतान इस को ताकने लगता है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 1206)

दोष छिपाने की उतमता

भाषांतरः जो व्यक्ति किसी मुसलमान के दोष व खोट को छिपाए अल्लाह तआला संसार व परलोक में उस के दोषों को छिपाता है।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 7028)

रोगी व मरीज़ कि इयादत का आदेश

भाषांतरः भूके को खाना खिलाओ, मरीज़ की इयादत करो एवं क़ैदी को आज़ाद करो।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 5373)

अमानतदारी का निर्देश

भाषांतरः जो तुम्हारे पास अमानत रखाए उस की अमानत वापस करो, एवं जो तुम्हारे साथ क़यानत करे तुम उस के साथ क़यानत मत करो।

(जामेअ तिरमिज़ी, काब उल बुयूअ, हदीस संख्याः 1311)

अमानत लौटाने का आदेश

भाषांतरः जब तुम्हारे पास अमानत रखाई जाए तो उसे लौटा दो।

(मुसनद इमाम अहमद, हदीस संख्याः 23428)

वादे की वफा करने का आदेश

भाषांतरः जब तुम वचन व वादा करो तो उसे पूर किया करो।

(मुसनद इमाम अहमद, हदीस संख्याः 23428)

सलाम मुहब्बत व प्रेम का माध्यम

भाषांतरः क्या मैं तुम्हें उस चीज़ के बारे में ना बताऊँ जिस के करने पर तुम आपस में मुहब्बत व स्नेह करने लगोगे? आपस में सलाम को सामान्य व आम किया करो!

(सहीह मुसलिम, किताब उल ईमान, हदीस संख्याः 203)

शुभ वार्तालाप का आदेश

भाषांतरः अच्छी बात करना एवं सलाम को आम व सामान्य करना तुम पर अनिवार्य है।

(सहीह इब्न हिब्बान, हदीस संख्याः 491)

व्यर्थ वार्तालाप करने से दूर रहना

भाषांतरः जो व्यक्ति अल्लाह तआला पर और क़ियामत के दिन पर ईमान रखता है उसे चाहिए के वह अच्छी बात करे या शान्त रहे।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6016)

गाली देने की निषेध

भाषांतरः किसी मुसलमान को गाली देना पाप है एवं उसे हसकी हत्या करना कुफ्र है।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6044)

सत्य की बरकत

भाषांतरः तुम्हारे लिए सत्य कहना अनिवार्य है! क्यों के सच्चाई नेकी की ओर ले जाती है, एवं नेकी जन्नत की ओर ले जाती है। निश्चय

मनुष्य सत्य कहता है तथा सत्य के लिए अवसर तलाश करता रहता है यहाँ तक के वह अल्लाह तआला के पास ‘‘खूब सत्य कहने वाला’’ लिखा जाता है।

(सुनन अबु दाऊद, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 4991)

सत्य कहने का अनुदेश

भाषांतरः जब तुम बात करो तो सत्य कहा करो।

(मुसनद इमाम अहमद, हदीस संख्याः 23428)

झूठ की मज़म्मत

भाषांतरः तुम झूठ से बचते रहो! क्यों के झूठ आज्ञालंघन व नाफरमानी एवं पाप की ओर ले जाता है तथा मनुष्य झूठ कहता है एवं झूठ के लिए अवसर तलाश करता रहता है, यहाँ तक के वह अल्लाह तआला के पास ‘‘खूब झूठ कहने वाला’’ लिखा जाता है।

(सुनन अबु दाऊद, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 4991)

निर्माण पर रहम करने का पुण्य

भाषांतरः अल्लाह तआला से ड़रते रहो! निर्माम पर रहम करो तुम पर रहम किया जाएगा, एवं आपस में द्वेष मत रखो।

(कंज़ुल उम्मा, हदीस संख्याः 43097)

आपस में रहम दिली का बदला

भाषांतरः तुम धरती वालों पर रहम करो! आसमान का मालिक तुम पर रहम करता ही है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 2049)

रास्ते का अधिकार

भाषांतरः रास्ते से तकलीफ देने वाली चीज़ को दूर करना नेकी है।

(तबरानी मुअजम कबीर, हदीस संख्याः 10864)

कुशलता व भलाई का निमन्त्रण

निश्चय नेकी के कामों की ओर रेहबरी (उपदेश) करने वाला नेकी करने वाले के प्रकार है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 2883)

नरमी पसंदीदह गुण

भाषांतरः निश्चय अल्लाह तआला प्रत्येक कार्य में नरमी को पसंद करता है।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6024)

सुविधा पैदा करने का आदेश

भाषांतरः तुम आसानी पैदा करो एवं कठिन मत पैदा करो! शुभ सूचना दिया करो एवं नफरत मत पैदा करो।

(सहीह बुखारी, किताब उल इल्म, हदीस संख्याः 69)

www.Ziaislamic.com

बदगुमानी का पाप

भाषांतरः तुम बदगुमानी से बचा करो! क्यों के बदगुमानी दुष्टतर झूठ है।

(सहीह बुखारी, किताब उन निकाह, हदीस संख्याः 5143)

तीन चीज़ें पापों की जड

भाषांतरः तीन चीज़ें पापों की जड हैं-
(1)- तकब्बुर व घमण्ड। (2)- हिरस। (3)- हसद।

(शुअबुल ईमान लिल बैहखी, हदीस संख्याः 7999)

कंजूसी की मज़म्मत

भाषांतरः निश्चय एक अशिक्षित व जाहिल सक़ी, अल्लाह तआला के पास इबादत गुज़ार बक़ील (कंजूस) से अधिक पसंदीदह है।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 2088)

आत्महत्या की सजा

भाषांतरः जो व्यक्ति संसार में किसी चीज़ के द्वारा आत्महत्या करे क़ियामत के दिन उसे इसी चीज़ से अज़ाब दिया जाएगा।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6047)

धोकादही का परिणाम

भाषांतरः जो धोका दे वह हम में से नहीं।

(जामेअ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 1363)

अत्याचार का परिणाम

भाषांतरः अत्याचार करना, क़ियामत के दिन तीकियाँ व अंधेरा ले आता है।
(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 2447)

चुगलखोर जन्नत से दूर

भाषांतरः चुगलखोर, जन्नत में प्रवेश नहीं होगा।

(मुसनद इमाम अहमद, हदीस संख्याः 24029)

चुगलखोर अल्लाह के पास नापसंदीदह

भाषांतरः अल्लाह तआला के पास तुम में से से बुरे लोग वह हैं जो चुगलखोरी करते हैं।

(कंज़ुल उम्माल, हदीस संख्याः 5198)

द्वेष व घृणा की निषिद्ध

भाषांतरः आपस में द्वेष ना रखो, एक दूसरे से हसन व जलन ना करो एवं ना एक दुसरे की ग़ीबत व चुगलखोरी करो! अल्लाह के बन्दों! आपस में भाई-भाई हो जाओ।

(सहीह बुखारी, किताब उल अदब, हदीस संख्याः 6065)

मृत्यु को याद करने का आदेश

www.Ziaislamic.com

भाषांतरः लज़्ज़तों को समाप्त करने वाली चीज़, यथा ‘‘मृत्यु’’ को कसरत से याद करो।

(जामेअ तरिमिज़ी, हदीस संख्याः 2477)

तौबा की बरकत

भाषांतरः पापों से तौबा करने वाला पापों से ऐसा पवित्र व शुद्ध हो जाता है जैसा के उस ने कोई पाप व गुनाह किया ही नहीं।

(सुनन इब्न माजह, किताब उज़ ज़ुहद, हदीस संख्याः 4391)

आखिरत व परलोक की तैयारी

भाषांतरः जो व्यक्ति संसार में (तक़वा) का तोशा तैयार करता है वह उस के लिए आखिरत में लाभदायक होगा।

(मुअजम कबीर तबरानी, हदीस संख्याः 2222)

www.Ziaislamic.com